# हिंदी (केंद्रिक)

## कक्षा–12

## प्रतिदर्श प्रश्नपत्र–I

**समय :** 3 **घंटे** **पूर्णांक :** 100

1. **निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :** 5

हमारी यश–गंध दूर–दूर तक फैली है,
भ्रमरों ने आकर हमारे गुण गाए हैं,
हम पर बौराए हैं।
सब की सुन पाई है
जड़ मुस्काई है!

**अथवा**

दोस्त कठिन है यहां किसी को भी
अपनी पीड़ा समझाना।
दर्द उठे तो, सूने पथ पर
पांव बढ़ाना चलते जाना।

2. **निम्नलिखित काव्यांशों में किन्हीं दो का काव्य–सौंदर्य स्पष्ट कीजिए :** 3+3=6

(i) जहां तुम्हारे चरण वहीं पर
पद–रज बनी पड़ी हूँ मैं।
मेरा निश्चित मार्ग यही है
ध्रुव–सी अटल खड़ी हूँ मैं।

(ii) ऐसे आओ
जैसे गिरि के श्रृंग शीश पर

रंग रूप का क्रीट लगाए
बादल आए।

(iii) ईर्ष्या, अहं, स्वार्थ, घृणा अविश्वासलीन
संख्यातीत शंख-सी दीवारें उठाता है
अपने को दूजे का स्वामी बताता है
देश की कौन कहे
एक कमरे में
दो दुनिया रचाता है

3. **किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए :** 2+2=4

(i) माखनलाल चतुर्वेदी ने किसान की भुजाओं पर सौ-सौ युग, सौ-सौ हिमालय और सौ-सौ गंगा न्योछावर करने की कामना क्यों की है?

(ii) तुलसीदास मन, कर्म और वचन से किस नियम का पालन करना चाहते हैं और क्यों?

(iii) शिवमंगल सिंह सुमन ने मिट्ठी को ''बच्चों की गुड़िया-सी'' क्यों कहा है?

4.(क) **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर तत्संबंधी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

भीतर से कुछ-कुछ बटा हुआ और बाहर से बिल्कुल एक, भारत की यह विशेषता बहुत पुरानी है। यह ठीक है कि प्रांतीयता के जोश में आकर कोई-कोई क्षेत्र राष्ट्र की एकता से अलग होकर अपना स्वतंत्र अस्तित्व कायम करने के लिए जब-तब कोशिश करते रहे हैं, मगर यह भी ठीक है कि सारे देश को एकछत्र शासन (चक्रवर्ती राज्य) के अंदर लाने का सपना भी यहां बराबर मौजूद रहा है। देश की इस मौलिक एकता के भाव ने प्रांतीयता के सामने कभी भी हार नहीं मानी।

(i) भारत की पुरानी विशेषता क्या रही है? 1

(ii) प्रांतीयता के सामने हार न मानने वाली मौलिक एकता की भावना को स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) दूर अंतर में कुछ स्पर्श हुआ, पर वह स्पर्श सूक्ष्म था, यूं ही संकेत-सा। शब्द चक्कर काटते रहे-न हिलना, न झुकना और तब आया यह वाक्य–न हिलना न झुकना जीवन की स्थिरता का, दृढ़ता का चिह्न है और वह वीर पुरुष है जो न हिलता है, न झुकता है।

(i) लेखक को कौन-सा सूक्ष्म स्पर्श हुआ? 1

(ii) लेखक ने क्यों कहा, 'वह वीर पुरुष है जो न हिलता है, न झुकता है' 2

5. **किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए :** 3+3+3=9

(i) जैनेंद्र ने 'तत्सत' कहानी में अंश और संपूर्ण के संबंध का किस प्रकार स्पष्टीकरण किया है?

(ii) 'चित्र' पाठ में किसने और क्यों कहा-'हमारे हंसों में कौआ नजर आता है?'

(iii) भगवती शरण सिंह ने क्यों कहा कि भारत की नदियां मोक्षदायिनी नहीं रहीं?

(iv) महादेवी वर्मा के अनुसार नीलू के स्वभाव की कौन-सी विशेषताएं उसे अन्य कुत्तों से अलग करती हैं?

6. **'विविधा'-भाग : 2 के आधार पर किन्हीं तीन प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दें।** 2+2+2=6

(i) अरूमुगम को 'वीर-चक्र' क्यों प्रदान किया गया?

(ii) दफ्तर के कर्मचारी, फौजी अफसरों और टंडन जी की बातचीत खिड़की के पास खड़े होकर क्यों सुन रहे थे?

(iii) गूँगा गांव छोड़कर क्यों चला गया?

(iv) धर्मवीर भारती को पत्र क्यों लिखना पड़ा?

7. **'सत्य किरण' एकांकी में आधुनिक साहित्यकार, पुलिस-अधिकारी, समाज-सेविका और वैज्ञानिकों की किन अंतर्विरोधी प्रवृत्तियों का पता चलता है? स्पष्ट कीजिए।** 4

**अथवा**

**'रमन का वात्सल्य' प्रेरक प्रसंग में लेखक ने चंद्रशेखर वेंकटरमन के किन गुणों का उल्लेख किया है? स्पष्ट कीजिए।** 1

8. **'विराटा की पद्मिनी' के आधार पर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए :-** 3+3=6

(i) कालपी के नवाब अलीमर्दान की सर्वाधिक उल्लेखनीय विशेषता क्या है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए?

(ii) विराटा के पतन के बाद अलीमर्दान द्वारा पीछा किए जाने पर कुमुद ने क्या किया और क्यों?

(iii) देवी सिंह ने कफनसिंह बुंदेला के रूप में युद्ध के दौरान क्या भूमिका निभाई?

9. **'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास के पात्र कुमुद अथवा कुंजर सिंह की किन्ही चार विशेषताओं का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।** 4

**10. रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए :** 3

<u>भाई</u> ने मुझसे <u>पूछा</u>, <u>कोई</u> तुम्हारे साथ आया है?

**11. निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन कीजिए।** 3

(i) रावण द्वारा सीता का हरण किया गया। (कर्तृवाच्य में)

(ii) बीमार यात्री ऊंचे पर्वत पर चढ़ न सका। (भाववाच्य में)

(iii) सुभाष चंद्र बोस के आह्वान पर युवकों ने रक्तदान किया। (कर्मवाच्य में)

12. **निम्नलिखित में से किन्ही दो का समास-विग्रह कीजिए, और समासों के नाम भी लिखिए :** 2+2=4

पथभ्रष्ट, कर-कमल, चक्रधर, त्रिलोकी।

13. **निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए :** 1+1+1=3

(i) पुत्र ने पिताजी के चरणों के लिए सिर झुका दिया।

(ii) हमने इसको विचार-विमर्श किया।

(iii) मेरे को गुरुजी ने क्यों बुलाया है?

14. **निर्देशानुशार वाक्य-रूपांतरण कीजिए :** 1+1+1+1=4

(i) विद्यार्थी पुस्तक खरीदने बाजार गया। (मिश्रित वाक्य में)

(ii) जो व्यक्ति पुरूषार्थी होता है, उसके लिए कोई कार्य कठिन नहीं होता। (सरल वाक्य में)

(iii) वह विद्यालय में आया, जहां उसने कहानी सुनाई। (संयुक्त वाक्य में)

(iv) बीमारी के कारण स्नेहलता ने परीक्षा नहीं दी। (प्रश्नवाचक वाक्य में)

15. (i) **निम्नलिखित वाक्य का विश्लेषण कीजिए :** 2

ममता की बेटी सुधा रोज क्रिकेट खेलती है।

(ii) **निम्नलिखित वाक्यों का एक वाक्य में संश्लेषण कीजिए :** 2

गाय का रंग काला था। खेत में गेहूं की हरी फसल खड़ी थी।

गाय ने फसल को चरना शुरू कर दिया।

16. (क) **निम्नलिखित लोकोक्तियों में से किन्हीं दो का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनके अर्थ स्पष्ट हो जाएँ :** 1+1=2

(i) अधजल गगरी छलकत जाए।

(ii) आ बैल मुझे मार।

(iii) एक हाथ से ताली नहीं बजती।

(ख) **निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं दो का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनके अर्थ स्पष्ट हो जाएं :** 1+1=2

(i) ईंट का जवाब पत्थर से देना।

(ii) आंखें बिछाना।

(iii) कान पर जूं न रेंगना।

17. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और तत्संबंधी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

प्रकृति और व्यक्ति के संबंधों में विकार आ रहा है। व्यक्ति प्रकृति से दूर हो गया है। जनसंख्या- विस्फोट से तथा प्रदूषण के कुप्रभाव से प्रकृति की शोभा पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। ऐसी विपरीत स्थिति में भी प्रकृति का सौंदर्य वसंत के आगमन पर खिल उठता है। विस्मय होता है कि आजकल लोगों को वसंत के आगमन का भी आभास नहीं होता। पुष्प वाटिकाओं में रंग-बिरंगे फूलों की चटख और महक से वासंती पवन झूम उठता है। पुष्प पंखुड़ियों पर तितलियों के नृत्य मन मोह लेते हैं। भ्रमरों का मधुर गुंजन आनंद की वृष्टि करता है। ऋतुराज के स्वागत में आम की डाल पर कोकिला भी मधुर तानें छेड़ती है। मोरनियों के झुंड से घिरा मोर मस्ती में नाचता है।

प्रकृति की यह छटा लोगों को नसीब नहीं होती क्योंकि उनके मन में प्रकृति-प्रेम शेष नहीं रहा। व्यक्ति प्रकृति-प्रेम के अभाव में मानसिक दबावों में जी रहा है। अत: वसंत के आगमन पर प्रत्येक व्यक्ति के मन में उसका स्वागत करने की भावना जागनी चाहिए।

(i) प्रकृति की शोभाश्री पर संकट के बादल क्यों मंडरा रहे हैं? 1

(ii) विपरीत परिस्थिति में भी प्रकृति की विशेषता क्या है? 1

(iii) लेखक को विस्मय क्यों होता है? 1

(iv) प्रकृति की कौन-सी छटा लोगों को नसीब नहीं होती? 1

(v) मानसिक दबावों से छुटकारा पाने की दवा क्या है? 1

18. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यान से पढ़िए और तत्संबंधी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

थका-हारा सोचता मन-सोचता मन।
उलझती ही जा रही है एक उलझन
अंधेरे में अंधेरे से कब तलक लड़ते रहें
सामने जो दिख रहा है, वह सचाई भी कहें।
भीड़ अंधों की खड़ी खुश रेवड़ी खाती
अंधेरे के इशारों पर नाचती-गाती।
थका हारा सोचता मन-सोचता मन।
भूखी प्यासी कानाफूसी दे उठी दस्तक
अंध बन जा झुका दे तम-द्वार पर मस्तक।
रेवड़ी की बाँट में तू रेवड़ी बन जा
तिमिर के दरबार में दरबान-सा तन जा।

थका हारा, उठा गर्दन-जूझता मन
दूर उलझन! दूर, उलझन! दूर उलझन!

चल खड़ा हो पैर में यदि लग गई ठोकर
खड़ा हो संघर्ष में फिर रोशनी होकर
मृत्यु भी वरदान है संघर्ष में प्यारे
सत्य के संघर्ष में क्यों रोशनी हारे।
देखते ही देखते तम तोड़ता है दम
और सूरज की तरह हम ठोंकते हैं खम।

(i) थके हारे मन की उलझन क्या है? 1

(ii) अंधेर में अंधों की भीड़ खुश क्यों है? 1

(iii) भूख-प्यास की विवशता का क्या परामर्श है? 1

(iv) जुझारू मन ने सुझाव क्यों नहीं माना? 1

(v) संघर्ष में विजय किसे मिलती है? 1

19. **आपके पड़ोस में आतंकवादी रह रहा है। आपने उस मकान में कुछ आतंकवादी गतिविधियां देखी हैं। आप अपने नगर के उच्च पुलिस अधिकारी को पत्र लिखकर इसकी पूर्ण जानकारी दीजिए ताकि किसी दुर्घटना से पूर्व ही उचित कार्रवाई हो सके।**

**अथवा** 5

**घायल सुरक्षाकर्मी को, जो आपका परिचित, संबंधी या रिश्ते का भाई है, एक पत्र लिखिए।**

20. **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए :** 10

(i) विविधता में एकता-भारत की विशेषता

(ii) मंगल ग्रह की यात्रा

(iii) बाल मजदूरी-एक अभिशाप

(iv) लोकतंत्र में चुनाव

(v) परहित सरिस धरम नहिं भाई।

# हिंदी (केंद्रिक)

## कक्षा–12

## प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-I

### अंक-योजना उत्तर-संकेत और मूल्य-बिंदु

**अंक–विवरण**

1. किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या अपेक्षित है।

| | | |
|---|---|---|
| (i) | रचना और रचनाकार का नामोल्लेख | ½ + ½ = 1 |
| (ii) | प्रसंग-पूर्वापर संबंध-कथन | 1 |
| (iii) | व्याख्या | 2½ |
| (iv) | शुद्ध भाषा-संप्रेषण | ½ |
| | **कुल अंक :** | 5 |

(i) 'जड़ की मुस्कान', हरिवंश राय बच्चन

(ii) प्रगति करने पर अपने मूलाधार को भूल जाने वाले को उनके मूलाधार का महत्व समझाने के लिए वृक्ष के माध्यम से जड़ की मुस्कान स्पष्ट करती है।

(iii) तने के विकास में डालियों, टहनियों और पत्तियों के बाद कली और पुष्प अपनी-अपनी शेखी बघारते हैं। डालियां तने की, टहनी डालों की, पत्तियाँ टहनी की, कली पत्त्यिों की और पुष्प कली की उपेक्षा करते हैं। पुष्प को गंध और रूप पर गर्व है। तभी दूर-दूर तक हवा महक रही है। भ्रमर भी उसका गुणगान कर रहे हैं, पुष्प की गर्वीली वाणी पर जड़ मुस्कुराती है और रहस्य बताती है। वृक्ष का विकास और अस्तित्व जड़ पर आधारित है। जड़ निर्जीव नहीं, सजीव है।

**अथवा**

(i) 'हँसा जोर से' सर्वेश्वर दयाल सक्सेना।

(ii) दुनिया को व्यक्ति का सुख और दुख फूटी आंख नहीं भाता। लोग उसके शोक, गम और आनंद में भागीदारी नहीं निभाते। जो लोग दुनिया के साथ अपना सुख-दुख बांटना चाहते हैं, उन लोगों को कवि सलाह देता है।

(iii) मित्र इस विचित्र दुनिया को अपनी पीड़ा समझाना अत्यंत कठिन कार्य है। इसलिए इसके सामने अपनी दर्द-कथा पर समय नष्ट मत कीजिए। हां, दर्द तो गर्दन उठाएगा और चाहेगा कि दुनिया को सुनाऊँ, कोई न कोई सुनेगा, अवश्य सुनेगा। कवि का सच्चा परामर्श है कि ऐसी स्थिति में निर्जन पथ पर कदम बढ़ाता चल, गति में ही प्रगति है, प्रगति में पीड़ा का निदान है, जीवन की इस प्रगतिशील कदमताल में दु:ख के दिन बीत जाएंगे। सुख मिलेगा। रहीम कवि ने भी समानांतर पंक्तियों में कहा है:

'रहिमन निज मन की व्यथा, मन ही राखो गोय
सुनि इठलैहैं लोग सब, बांट न लैहैं कोय।''

2. किन्हीं दो काव्यांशों के भाव-सौंदर्य और शिल्प-सौंदर्य की प्रस्तुति अपेक्षित है- 3 x 2 = 6

(क) पति-पत्नी के अटल दाम्पत्य जीवन का कथन-सौंदर्य।

'पद–रज' और 'ध्रुव–सी' 'अटल' में शिल्प–सौंदर्य प्रकट हुआ है।

'पद-रज' में सनातन संबंध अभिव्यक्त हुआ है तो 'ध्रुव-सी' में उपमा के द्वारा एकनिष्ठता व्यक्त हुई है।

(ख) तन मन के स्वच्छ और उज्ज्वल जीवन के आह्वान का कथन।

आगमन का बादल जैसा रंगीन रूप, हिमगिरि के शिखर पर शोभायमान सौंदर्य का कथन। भाव-सौंदर्य 1½, शिल्प-सौंदर्य 1½

3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित : 2 x 2 = 4

(क) किसान की भुजाएं श्रम करके अन्न का उत्पादन करती हैं। यही कारण है कि कवि ने उसकी भुजाओं पर सौ-सौ युग, सौ-सौ हिमालय और सौ-सौ गंगा न्योछावर करने की कामना की है।

(ख) वह किसी से कुछ न मांगे, निरंतर परोपकार करता रहे, उसकी कथनी-करनी में अंतर न हो, कटु वचन सुनकर भी उसे क्रोध न आए, सुख-दु:ख उसे विचलित न करें वह नियमों का पालन करना चाहता है ताकि स्थायी रूप में राम की भक्ति प्राप्त हो।

(ग) बच्चों की गुड़िया-सी भोली मिट्टी का अस्तित्व क्या है? हवा उसे उड़ा देती है और पानी उसे गला देता है।

4.(क) (i) अनेकता में एकता की भावना भारत की पुरानी सांस्कृतिक विशेषता रही है। 1

(ii) भारत में प्रांत-विशेष के लोग अपने अलग अस्तित्व के लिए आंदोलन करते रहे हैं। उसी के साथ देशवासियों की यह भावना भी बलवती रही कि हम एक राष्ट्र के रूप में गणतांत्रिक शासन में रहें। चक्रवर्ती राज्य का संकल्प इसका साक्ष्य है। इस मौलिक एकता ने प्रांतीयता को पनपने नहीं दिया। 2

(ख) (i) लेखक हरे-भरे पेड़ और एक ठूंठ पर हवा का प्रभाव देखते-देखते इस नतीजे पर पहुंचा कि ठूंठ पर इसका कोई असर नहीं होता। 'न हिलना,' 'न झुकना' शब्द ही उसके अंतरमन में कौंधता रहा। 1

(ii) लेखक उसे वीर पुरुष मानता है, जिसके जीवन में स्थिरता है। वह अपने निश्चय पर अटल रहता है। वह अपने लक्ष्य से इधर-उधर नहीं होता। हिलता तक नहीं है। दृढ़ रहता है। विपरीत परिस्थिती हो या आसुरी शक्ति, वह उनके सामने नत-मस्तक नहीं होता। 2

5. केवल तीन प्रश्नों के उत्तर देना अपेक्षित हैं। प्रत्येक उत्तर में दो मूल बिंदुओं की अभिव्यक्ति हो। कथ्य=3+3+3=9

(क) अंश और संपूर्ण का संबंध पेड़ पौधों और पशुओं के उदाहरण देकर वन की समग्रता का स्पष्टीकरण अपेक्षित।

(ख) शंकराचार्य ने चित्रकार से कहा कि हंस का चित्र हमने भी बनाया था लेकिन लोकतंत्र में हमारे हंस में कौआ नजर आता है। हमारी कूंचियों में सांप्रदायिकता के रंग बताए जाते हैं। अब लोकतंत्र में लोक के हाथों हंस का चित्र बनने दो।

(ग) जनसंख्या और जन कुकृत्यों के विवरण के साथ महानदियों के प्रदूषित जल के स्पष्टीकरण से नदियों की मोक्षदायिनी शक्ति का विनाश बताना है।

(घ) नीलू की सहज चेतना, संप्रेषणप्रिय व्यवहार, आत्म सम्मान, स्वामिभक्ति और अहिंसक सद्व्यवहार के उदाहरणों से उक्ति सिद्ध की गई हो।

6. विविधता के आधार पर केवल तीन प्रश्नों के उत्तर कारण और कार्य के स्पष्टीकरण-सहित अपेक्षित : कथ्य =2(2x3=6)

(क) अरूमुगम के शौर्यपूर्ण बलिदान के कारण का उल्लेख अशोक चक्र के लिए किया हो।

(ख) वे टंडन जी की धीरता, दृढता और अंग्रेज फौजी अफसरों के सामने उनकी शांत निर्भीकता देख-सुन रहे थे।

(ग) गूंगा अपनी तैराकी अथवा कला-बल से उस बच्चे को तुरंत न निकाल सका। तीन प्रयासों में निर्जीव-सी सफलता के कारण या अन्य कारण तर्क-सहित अपेक्षित।

(घ) किसी शोध करने वाले ने भारती जी से उनके साहित्य-परिचय के लिए अनुरोध किया था। अत: उन्होंने पत्र लिखा।

7. 'सत्य किरण' एकांकी के पात्रों की अंतर्विरोधी प्रवृत्तियों का संक्षिप्त परिचय अपेक्षित।
कथ्य 3+ अभिव्यक्ति 1=4

**अथवा**

'रमन का वात्सल्य' प्रेरक प्रसंग के आधार पर रमन के तीन गुणों का उल्लेख अपेक्षित।

8. 'विराटा की पद्मिनी' के आधार पर दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। कथ्य-2+भाषा 1(2x3=6)

(क) अलीमर्दान की सर्वाधिक उल्लेखनीय विशेषता यह है कि वह हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं पर आघात नहीं करता। दुर्गा मंदिर पर उसने तोप से आक्रमण नहीं किया-देवीसिंह ने किया। स्पष्ट किया गया हो।

(ख) कुमुद बेतवा नदी की ढालू चट्टान के छोर पर पहुंच गई। उसने 'मलिनिया फुलवा लाओ नंदन बन के' लोकगीत गाया और बेतवा नदी में छलांग लगा दी। अपने प्रेमी के वियोग में आत्म-बलिदान दिया और शत्रु से स्वयं को बचाया।

(ग) देवीसिंह छद्म वेश में कफनसिंह बुंदेला के रूप में रामनगर गढ़ के द्वार पर चिल्लाया। प्रहरी आ गए तथा लोचनसिंह और उसके साथियों ने गढ़-विजय कर लिया।

9. कुमुद का परिचय– अनन्य सुंदरी, लोगों की आस्था का केंद्र, देवी का अवतार, सत्यवती, गुणवती, अनन्य प्रेमिका, निर्भीक और पवित्र नारी– आदि में से किन्ही चार विशेषताओं का उल्लेख
सोदाहरण अपेक्षित। 1+1+1+1=4

**अथवा**

कुंजर सिंह का परिचय– शौर्य, युद्ध-कुशल, कुमुद-प्रेम एवं रक्षा, देश-प्रेमी, निर्भीक सैनिक आदि में से किन्ही चार का सोदाहरण उल्लेख अपेक्षित।

10. **भाई ने**-जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एक वचन, कर्ताकारक, 'पूछा' क्रिया का कर्ता। 1

**पूछा**-सकर्मक क्रिया, पुल्लिंग, एक वचन। 1

**कोई**-अनिश्चयवाचक सर्वनाम, पु., एक वचन, कर्ता कारक, 'आया है,' क्रिया का कर्ता। 1

(क) रावन ने सीता का हरण किया। 1

(ख) बीमार यात्री से ऊंचे पर्वत पर चढ़ा नहीं गया। 1

(ग) सुभाषचंद्र बोस के आह्वान पर युवकों द्वारा रक्तदान किया गया। 1

12. किन्हीं दो समासों का विग्रह और नामोल्लेख अपेक्षित है- 2+2=4

| | | | |
|---|---|---|---|
| पथभ्रष्ट | = | पथ से भ्रष्ट | –तत्पुरुष |
| करकमल | = | कमल के समान कर | –कर्मधारय |
| चक्रधर | = | चक्र को धारण करता है जो (श्रीकृष्ण अथवा विष्णु) | –बहुब्रीहि |
| त्रिलोकी | = | तीन लोकों का समूह | –द्विगु |

13. (क) पुत्र ने पिता के चरणों में सिर झुका दिया। 1

(ख) हमने इस पर विचार-विमर्श किया। 1

(ग) सुभाषचंद्र बोस के आह्वान पर युवकों द्वारा रक्तदान किया गया। 1

**अथवा**

14. (क) चूँकि विद्यार्थी को पुस्तक खरीदनी थी इसलिए वह बाजार गया।
विद्यार्थी बाजार गया जहां उसने पुस्तक खरीदी। 1

(ख) पुरुषार्थी व्यक्ति के लिए कोई कार्य कठिन नहीं होता। 1

(ग) वह विद्यालय में आया और उसने कहानी सुनाई। 1

(घ) क्या बीमारी के कारण स्नेहलता ने परीक्षा नहीं दी? 1

15. (क)

| **उद्देश्य** | | **विधेय** | | |
|---|---|---|---|---|
| कर्ता का विस्तार | कर्ता | कर्म- | क्रिया- | विस्तार |
| ममता की बेटी | सुधा | क्रिकेट- | खेलती है- | रोज |

(ख) काली गाय ने खेत में खड़ी हरी फसल को चरना शुरू कर दिया। 2

16. (क) किन्हीं दो लोकोक्तियों के सार्थक प्रयोग पर अंक दिए जाएं : 1+1=2
(i) थोड़ी विद्या या धन से घमंड में आना-अर्थ पर ध्यान दें।
(ii) जानबूझकर मुसीबत मोल लेना। -अर्थ पर ध्यान दें।
(iii) संघर्ष दोनों पक्षों की भूल से होता है। -अर्थ पर ध्यान दें।

(ख) किन्हीं दो मुहावरों के सार्थक प्रयोग कर अंक दिए जाएं। 1+1=2
(i) दुष्ट से दुष्टता का व्यवहार करना। -अर्थ पर ध्यान दें।
(ii) आदर सत्कार करना। -अर्थ पर ध्यान दें।
(iii) कुछ भी प्रभाव न होना। -अर्थ पर ध्यान दें।

17. (क) जनसंख्या-विस्फोट व प्रदूषण के कारण प्रकृति की शोभा पर संकट है। 1

(ख) प्रकृति का सौंदर्य खिल उठता है। 1

(ग) लोगों को आजकल वसंत के आगमन का भी आभास नहीं होता। 1

(घ) पुष्पों का सौंदर्य कोकिला के गीत, मोर के नृत्य और भ्रमरों के मधुर गुंजन की छटा लोगों को नसीब नहीं होती। 1

(ङ) प्रकृति -प्रेम मानसिक दबावों से मुक्ति दिला सकता है। 1

18. (क) अंधेरे से संघर्ष जारी रखें या नहीं, उलझन थी। 1

(ख) अंधेरे के इशारों पर नाच-गाकर रेवड़ी खाकर खुश थी। 1

(ग) परामर्श था अंधेरे के अधीन हो जा। 1

(घ) सत्य से संघर्ष में झुकना अभिशाप है, मर जाना वरदान है। 1

(ङ) जो सत्य के संघर्ष में प्रयासरत रहता है, उसे विजय मिलती है। 1

| | | | |
|---|---|---|---|
| 19. | पत्र-लेखन= | पत्र की औपचारिकताएं | 2+ |
| | | पत्र का वृत्तांत-विवरण | 3=5 |
| 20. | निबंध-लेखन= | प्रस्तावना | 1+ |
| | | विषय-प्रतिपादन (4 बिंदुओं का विवेचन) | 6+ |
| | | उपसंहार | 1+ |
| | | भाषा-शैलीगत मौलिकता | 2=10 |

# हिंदी (केंद्रिक)
## कक्षा–12
## प्रतिदर्श प्रश्नपत्र–II

**समय :** 3 **घंटे** **पूर्णांक :** 100

1. **निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:**

सिंही की गोद से छीनता है शिशु कौन
मौन भी क्या रहती वह रहते प्राण?
रे अजान,
एक मेष माता ही
रहती है निर्निमेष–
दुर्बल वह–
छिनती संतान जब,
जन्म पर अपने अभिशप्त
तप्त आंसू बहाती है।
किंतु क्या?
योग्य जन जीता है,
पश्चिम की उक्ति नहीं,
गीता है, गीता है,
स्मरण करो बार–बार–
जागो फिर एक बार।

**अथवा**

काहे रे बन खोजन जाई

सर्व निवासा सदा अलेपा तोहि संग समाई।।
पुहुप मध्य ज्यों बास बसत है, मुकुर मांहि जस छांई
तैसे ही हरि बसै निरंतर घट ही खोजो भाई।।
बाहर भीतर एकै जानो यह गुरु ज्ञान बताई।
भन 'नानक' बिन आपा चीन्हे मिटे न भ्रम की काई।

2. **निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं दो का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए :** 3+3=6

(क) विरचे शिव, विष्णु विरंचि विपुल
अगणित ब्रह्मांड हिलाए है
पलने में प्रलय झुलाया है
गोदी में कल्प खिलाए हैं।

(ख) मैंने उसको
जब जब देखा
लोहा देखा
लोहे जैसा
तपते देखा
गलते देखा
ढलते देखा
मैंने उसको
गोली जैसा
चलते देखा।

(ग) पर न जाने क्यों-
पराजय ने मुझे शीतल किया,
और हर भटकाव ने गति दी
नहीं कोई था
इसी से सब हो गए मेरे
मैं स्वयं को बांटती ही फिरी
किसी ने मुझको नहीं यदि दी।

3. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए :** 2+2=4

(क) 'ये अनाज की पूलें तेरे कांधे झूलें' कविता में कवि ने वायु को किसान की उज्ज्वल गाथा और सूर्य को उसका रथ क्यों बताया है?

(ख) 'वीरांगना' कविता में भारतीय नारी की किन-किन विशेषताओं को दर्शाया गया है?

(ग) कवि क्लर्क- जीवन की किन-किन जटिलताओं को जीने के लिए बाध्य है? 'मैं और मेरा पिट्ठू' नामक कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

4. **निम्नलिखित गद्यांशों के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

(क) जीवन में देह है, जीवन में आत्मा है। देह है नाशशील और आत्मा है शाश्वत, तो आत्मा को हिलना-झुकना नहीं है और देह को निरंतर हिलना-झुकना ही है; नहीं तो हम हो जाएंगे रामलीला के रावण की तरह, जो बांस की खपच्चियों पर खड़ा रहता है- न हिलता है न झुकता है। हमारे विचार लचीले हों, परिस्थितियों के साथ वे समन्वय साधते चलें, पर हमारे आदर्श स्थिर हों। हमारे पैरों में जीवन के मोर्चे पर डटे रहने की भी शक्ति हो और स्वयं मुड़कर हमें उठने-बैठने-लेटने में मदद देने की भी। संक्षेप में जीवन की कृतार्थता यह है कि वह दृढ़ हो, पर अड़ियल न हो।

(i) जीवन की कृतार्थता अड़ियल होने की अपेक्षा दृढ़ता में क्यों है? 1

(ii) हमारे विचार लचीले क्यों होने चाहिए, स्पष्ट कीजिए। 2

(ख) आदमी की जिंदगी अपने-आप में बहुत ही अकेली और नीरस होती है। आदमी-आदमी के रिश्ते-नाते बहुत दूर तक साथ नहीं देते। पर जब वह इनसे आगे बढ़कर एक व्यापक संबंध कायम करने की कोशिश करता है तो उसके साथ बन, पर्वत, नदी आदि सब चल पड़ते हैं। तब वह अकेला नहीं रह जाता। आज वह वनस्पतियों और पानी के रिश्ते को भूलकर अपने को भी अकेला बना रहा है और उनसे आपसी संबंधों का भी विच्छेद करता जा रहा है। गंगा, यमुना, गोदावरी, नर्मदा और कावेरी आज भी भारत में बह रही हैं। पर अब वे मोक्षदायनी नहीं रह गई हैं।

(i) आज का मनुष्य वनस्पति और पानी के रिश्ते को भूलकर अपने आप को अकेला कैसे बना रहा है? 2

(ii) लेखक ऐसा क्यों कहता है कि भारत की नदियां अब मोक्षदायिनी नहीं रह गई हैं? 1

5. **निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में दीजिए:-** 3+3+3=9

(क) 'यह देश एक है' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि भारत में विविधता के भीतर ही एकता के गुण विद्यमान हैं।

(ख) कोकिल के भीतर तोते का रहना वर्तमान समाज की किस मानसिकता की ओर संकेत करता है? 'चित्र' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) वन की संकल्पना को पेड़-पौधे और पशु स्वीकार क्यों नही कर पा रहे थे? 'तत्सत' कहानी के आधार पर उत्तर दीजिए।

(घ) 'मेरे लिए भारतीय होने का अर्थ' पाठ में लेखक पुश्किन के पत्र को उद्धृत करके हमें क्या बताना चाहता है?

6. **'विविधा भाग-2' के आधार पर निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:-** 2+2+2=6

(क) राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के व्यक्तित्व की क्या विशेषताएं थी? 'टंडन जी अडिग रहे' पाठ के आधार पर बताइए।

(ख) 'इंद्रिय लिप्सा जीवन नहीं है।' 'मूँगा गूंगा' कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(ग) रवींद्रनाथ ठाकुर ने भगिनी निवेदिता की सेवा को 'दिल की सेवा' क्यों कहा था?

(घ) लेखक के पिता के जीवन की कौन-सी घटनाएं उनकी विद्रोही प्रवृत्ति पर प्रकाश डालती हैं? 'एक पत्र' पाठ के आधार पर बताइए।

7. **निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 50-60 शब्दों मं लिखिए :** 4

''काम पूरा होने से पहले नहीं मरूंगा साहब''। 'मां जानती है' पाठ में अरूमुगम के किन कार्यों से उसके इस कथन की पुष्टि होती है?

**अथवा**

**पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर के चरित्र की किन-किन विशेषताओं ने आपको सर्वाधिक प्रभावित किया और क्यों?**

8. **'विराटा की पद्मिनी' के आधार पर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40-50 शब्दों में दीजिए।** 3+3=6

(क) बुंदेलखंड का पंचनदा कौन-सा स्थान कहलाता है? यह स्थान क्यों प्रसिद्ध है? वहां कौन जाकर ठहरे थे?

(ख) अलीमर्दान के सिंहगढ़ आने से कुंजरसिंह प्रसन्न क्यों नहीं था?

(ग) देवीसिंह ने अंत में दाँगी वीरों को किन शब्दों में श्रद्धांजलि दी? विराटा की जागीर के लिए क्या निर्णय किया?

9. **'विराटा की पद्मिनी' उपन्यास के आधार पर लोचन सिंह अथवा कुंजर सिंह की चारित्रिक विशेषताएं स्पष्ट कीजिए।** 4

10. **रेखांकित पदों का व्याकरणिक परिचय दीजिए:-**

<u>शीत</u> ऋतु में <u>हिमालय का</u> क्षेत्र पूर्णतया बर्फ से ढंक जाता है और वहां का जन-जीवन अस्त व्यस्त <u>हो जाता है</u>। 3

11. **निर्देशानुसार वाच्य बदलिए :-** 3

(क) अध्यापक विद्यालय में शिक्षा देते हैं। (कर्म वाच्य में)

(ख) वाढ पीड़ितों की सहायता के लिए सरकार द्वारा करोड़ों रूपए खर्च किए जाते हैं। (कर्तृ वाच्य में)

(ग) मैं इस गर्मी में सो नहीं सकता। (भाव वाच्य में)

12. (क) **समस्त पदों का विग्रह करके समास का नाम भी लिखिए :** 2

हाथोंहाथ, गजानन।

(ख) **समस्त पद बनाइए और समास का नाम भी लिखिए :** 2

गंगा और यमुना, हाथ से लिखित।

13. **निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :** 3

(क) कृपया दो दिन का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।

(ख) शेर को सामने देखकर मेरे तो प्राण ही सूख गया।

(ग) मुझे केवल मात्र पांच रुपए चाहिए।

14. **अर्थ के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों के भेद बताइए :** 2

(क) वे लोग कहां रहते हैं?

(ख) आपकी यात्रा शुभ हो।

(ग) उसकी पत्नी बहुत बीमार थी।

(घ) अगर वे आ जाते तो मेरा काम बन जाता।

15. **निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :** 2

(क) लालाजी थैला उठाकर दुकान की ओर चले। (संयुक्त वाक्य में)

(ख) वर्षा होने पर मोर नाचने लगते हैं। (मिश्रित वाक्य में)

16. (क) **निम्नलिखित वाक्यों का विश्लेषण कीजिए :** 2

(i) तेजस्वी चाणक्य ने वीर चंद्रगुप्त को मगध का सम्राट बना दिया।

(ii) पवनपुत्र हनुमान ने देखते ही देखते सोने की लंका जला दी।

(ख) **निम्नलिखित वाक्यों का संश्लेषण कीजिए :** 2

(i) होरी एक किसान था। वह बहुत गरीब था। वह बहुत परिश्रम करता था।

(ii) शीला मेरी बहन है। वह बंबई से कल आएगी। हम दो दिन तक मौज-मस्ती करेंगे।

17. (क) **उपयुक्त लोकोक्तियों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:** 2

(i) राम ने कहा कि मेरी आर्थिक दुर्दशा में तुम्हारी थोड़ी-सी सहायता मेरे लिए..... ...........................बन जाएगी।

(ii) मैं जल्दबाजी में पुरानी नौकरी से इस्तीफा दे आया और नई नौकरी मिली नहीं। मेरी दशा तो ऐसी हो गई जैसे....................................।

(ख) **निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं दो का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए :** 2

(i) गाँठ बाँध लेना

(ii) सिर हथेली पर रखना

(iii) चार चाँद लगाना

18. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

(क) मैं जिस समाज की कल्पना करता हूं, उसमें गृहस्थ सन्यासी और सन्यासी गृहस्थ होंगे अर्थात सन्यास और गृहस्थ के बीच वह दूरी नहीं रहेगी जो परंपरा से चलती आ रही है। सन्यासी उत्तम कोटि का मनुष्य होता है, क्योंकि उसमें संचय की वृत्ति नहीं होती, लोभ और स्वार्थ नहीं होता। यही गुण गृहस्थ में भी होना चाहिए। सन्यासी भी वही श्रेष्ठ है जो समाज के लिए कुछ काम करे। ज्ञान और कर्म को भिन्न करोगे तो समाज में विषमता उत्पन्न होगी ही। मुख में कविता और करघे पर हाथ, यह आदर्श मुझे पसंद था। इसी की शिक्षा मैं दूसरों को भी देता हूं और तुमने सुना है या नहीं कि नानक ने एक अमीर लड़के के हाथ से पानी पीना अस्वीकार कर दिया था। लोगों ने कहा, ''गुरुजी यह लड़का तो अत्यंत संभ्रांत वंश का है, इसके हाथ का पानी पीने में क्या दोष है''? नानक बोले, ''इसकी हथेली में मेहनत–मजदूरी के निशान नहीं हैं। जिसके हाथ में मेहनत के ठेले नहीं होते, उसके हाथ का पानी पीने में मैं दोष मानता हूं।'' नानक ठीक थे। श्रेष्ठ समाज वह है, जिसके सदस्य जी खोलकर श्रम करते हैं और, तब भी जरूरत से अधिक धन पर अधिकार जमाने की उनकी इच्छा नहीं होती।

(i) 'गृहस्थ सन्यासी और सन्यासी गृहस्थ होंगे' से लेखक का क्या आशय है? 1

(ii) सन्यासी उत्तम कोटि का मनुष्य क्यों माना गया है? 1

(iii) समाज में विषमता कब उत्पन्न होती है? 1

(iv) श्रेष्ठ समाज कौन-सा है? 1

(v) 'विषमता' शब्द का विलोम लिखकर इसमें प्रयुक्त प्रत्यय अलग कीजिए। 1

(ख) **नीचे दिए गए काव्यांश को पढ़कर पूछे-गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

खुब गए
दूधिया निगाहों में
फटी बिवाइयों वाले खुरदरे पैर
धंस गए
कुसुम कोमल मन में
गुटठल घट्ठों वाले कुलिश कठोर पैर
दे रहे थे गति
रबड़ विहीन ठूंठ पैडलों को
चला रहे थे

एक नहीं, दो नहीं, तीन-तीन चक्र
कर रहे थे मात्र त्रिविक्रम वामन के पुराने पैरों को
नाप रहे थे धरती का अनहद फासला
घंटों के हिसाब से ढोए जा रहे थे!

देर तक टकराए
उस दिन इन आंखों से वे पैर
भूल नहीं पाऊंगा फटी बिवाइयां
खुब गई दुधिया निगाहों में
धंस गई
कुसुम कोमल मन में।

(i) रिक्शा चालक के पैरों में बिवाइयां और गाँठों से भरे घट्ठे क्यों पड़ गए थे? 1

(ii) कवि ने रिक्शा चालक के पैरों की तुलना किसके पैरों से की है? 1

(iii) कवि ने अपने मन और दृष्टि के लिए किन उपमानों का प्रयोग किया है और क्यों? 1

(iv) 'घंटो के हिसाब से ढोए जा रहे थे' से कवि किस कटु सत्य की ओर संकेत करता है? 1

(v) कवि को क्यों लगता है कि वह रिक्शा चालक के 'बिवाई-पड़े पैरों को भूल नहीं पाएगा? 1

19. **विद्यालय के वार्षिक उत्सव का वर्णन करते हुए पुरस्कार प्राप्ति की प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राहुल की ओर से पिताजी को एक पत्र लिखिए।**

**अथवा**

**दैनिक समाचारपत्र के संपादक को दिव्या की ओर से एक पत्र लिखिए, जिसमें कार्यालयों में बढ़ते भ्रष्टाचार की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित कराया गया हो।** 5

20. **किसी एक विषय पर लगभग ढाई सौ शब्दों में निबंध लिखिए :** 10

(क) इक्कीसवीं सदी का भारत

(ख) बढ़ती आबादी और सिमटते साधन

(ग) कर्म ही पूजा है।

(घ) संचार क्रांति और भारत

(ङ) मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।

# हिंदी (केंद्रिक)

## कक्षा–12

## प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-II

### अंक–योजना उत्तर–संकेत और मूल्य–बिंदु

| प्र.सं. | अपेक्षित उत्तर–संकेत/मूल्य–बिंदु | अंक–विवरण/ योग |
|---|---|---|
| 1. | (केवल एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या अपेक्षित) | |
| | **अंक–विभाजन** (i) कवि और कविता का नामोल्लेख | ½+½=1 |
| | (ii) प्रसंग (पूर्वापर संबंध निर्वाह) | 1 |
| | (iii) **व्याख्या :** प्रमुख भाव–बिंदुओं का स्पष्टीकरण अपेक्षित | 2½ |
| | (iv) अभिव्यक्ति–कौशल, भाषिक–कुशलता | ½=5 |

**प्रसंग :** प्रस्तुत काव्यांश सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की कविता 'जागो फिर एक बार' में से लिया गया है।

भारतीय वीरों को शत्रुओं के विरूद्ध, प्रोत्साहित करते हुए कहा गया है कि वीरों के अधिकार–हनन का कोई साहस नहीं कर सकता।

**व्याख्या–बिंदु :** हे भारतवासी! जो भेड़ के समान कायर होते हैं, वे अपने अधिकार छिनते देख विरोध नहीं करते, परिणामत: जीवन–पर्यंत आंसू बहाते हैं। डार्विन से पूर्व भारत में श्रीकृष्ण ने गीता में अन्याय के विरूद्ध शस्त्र उठाने की प्रेरणा दी थी क्योंकि समर्थ ही जीवित रहने का अधिकारी है।

**विशेष :** भाषा– तत्सम शब्द–प्रधान शब्दावली से युक्त, मुक्त छंद, ओज गुण, प्रतीकात्मकता का गुण।

**अथवा**

**प्रसंग :** प्रस्तुत पद 'संतवाणी' शीर्षक के अंतर्गत संकलित गुरु नानक द्वारा रचित है। ईश्वर को किसी विशेष स्थान पर खोजा नहीं जा सकता क्योंकि वह तो सर्व–व्यापक है।

**व्याख्या–बिंदु :** ईश्वर सर्व–व्यापक है, इसलिए उसे वन आदि में खोजने की आवश्यकता नहीं है। जिस प्रकार पुष्प में गंध और दर्पण में परछाई समाई है, उसी प्रकार मनुष्य के हृदय में वह परमात्मा समाया है। उसे हृदय में ही खोजना होगा। गुरु के ज्ञान के भीतर–बाहर (सर्वत्र) व्याप्त ईश्वर का अनुभव किया जा सकता है। अत: भ्रम दूर होने पर ही स्वयं को जाना जा सकता है।

**विशेष :** भाषा में आम बोलचाल के शब्द, उपमा, दृष्टांत अलंकार, भाषा में चित्रात्मकता का गुण है।

2. किन्हीं दो काव्यांशों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट करना अपेक्षित 3+3=6

**अंक-विभाजन :**

(i) भाव-सौंदर्य 1½

(ii) शिल्प-सौंदर्य 1½

**कुल अंक :** 3

(क) शिव मंगल सिंह सुमन ने 'मिट्टी की महिमा' नामक कविता की इन पंक्तियों में मिट्टी को सर्वाधिक प्राचीन और ब्रह्मा, विष्णु तथा महेश की जन्मदात्री के रूप में चित्रित किया है।

**शिल्प-सौंदर्य :** भाषा सरल, सरस एवं प्रवाहपूर्ण खड़ी बोली है। मिट्टी पर मानवीय भावों का आरोपण है। मानवीकरण व अनुप्रास अलंकार का प्रयोग है। कविता में प्रसाद गुण व संगीतात्मक छंद-प्रवाह है।

(ख) **भाव-सौंदर्य :** केदारनाथ अग्रवाल ने 'वीरांगना' कविता में नारी को वीरांगना-रूप में चित्रित कर उसे शक्ति-स्वरूपा माना है। वह विषम परिस्थितियों में दृढ़ रहते हुए दूसरों के कल्याण-हेतु भिन्न-भिन्न रूपों में ढलती है।

**शिल्प-सौंदर्य :** नारी के कोमल एवं दृढ़ रूपों का सशक्त एवं नवीन ढंग से चित्रण किया गया है। कविता में प्रसाद गुण है। भाषा सहज एवं प्रवाहपूर्ण खड़ी बोली है। अनुप्रास एवं उपमा अलंकारों की छटा द्रष्टव्य है। कविता में सहज छंद-प्रवाह है। यह लघु कविता का एक सुंदर उदाहरण है।

(ग) **भाव-सौंदर्य :** आम बोलचाल के शब्दों से युक्त खड़ी बोली की भावमयी कविता है। विरोधाभास और मानवीकरण अलंकार की प्रधानता है।

3. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। 2+2=4

**अंक-विभाजन :**

(i) कथ्य 1½

(ii) भाषा-शुद्धता ½

**कुल अंक :** 2

(क) वायु को किसान की उज्ज्वल गाथा इसलिए कहा गया है, क्योंकि उसके श्रम का यश वायु की तरह सब जगह व्याप्त है। सूर्य को किसान का रथ इसलिए कहा गया है, क्योंकि सूरज की ऊष्मा के बल पर फसलें तैयार होती हैं।

(ख) भारतीय नारी प्राचीन काल से ही आत्मविश्वासी, सच्ची प्रेमिका, पतिव्रता, विपरीत परिस्थितियों में अडिग रहनेवाली, स्फूर्तिमयी, पति के सुख-दुख की साथिन, आशा एवं विश्वास से भरी है।

(ग) कवि को क्लर्क के रूप में निरंतर जीवन की जटिलताओं को झेलना पड़ता है। आर्थिक तंगी को सहना पड़ता है। प्रतिदिन जीवन में सर्वत्र संघर्ष करना पड़ता है।

4. (क) (i) जीवन की कृतार्थता अड़ियल होने की अपेक्षा दृढ़ता में हैं क्योंकि हमें अपने आदर्शों का पालन दृढ़ता से करना चाहिए। बिना उचित-अनुचित का विचार किए अड़ियल बने रहने से जीवन कृतार्थ नहीं होता। 1

(ii) हमारे विचारों में लचीलापन है तो हम सहज ही परिस्थितियों के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं। हमारे आदर्श स्थिर हों और विचारों में लचीलापन हो तो हम जीवन के मोर्चे पर डटे रह सकते हैं; जैसे बांस का हरा-भरा पेड़ हवा के साथ हिलता है, झुकता है, फिर सीधा खड़ा हो जाता है। 2

(ख) (i) आज मनुष्य वनस्पति और जल से अपना नाता तोड़ रहा है जिसके कारण उसका जीवन नीरस और अकेला होता जा रहा है। वनस्पति और पानी का रिश्ता अटूट और अनंत है, मनुष्य का नाता इनसे अटूट है। आज मनुष्य को अपने स्वार्थ और व्यस्तता त्यागकर प्रकृति की हरियाली व जल की पवित्रता को बनाए रखना चाहिए। 2

(ii) आज नगर व कारखानों की गंदगी से भी नदियों का जल प्रदूषिरत हो गया है। जो नदियां जीवन व संस्कृति का स्रोत हैं व आज बढ़ते जल-प्रदूषण का कारण अपना महत्व खो रही हैं। 1

5. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित 3+3+3=9

**अंक-विभाजन :**

| | | |
|---|---|---|
| (i) | कथ्य | 2 |
| (ii) | भाषा-प्रस्तुति | 1 |
| | **कुल अंक :** | 3 |

(क) भाषा, धर्म खानपान व वेशभूषा आदि की दृष्टि से हम में विविधता भले ही हो, पर साहित्यिक, दार्शनिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से हम में एकता की भावना विद्यमान है। सभी भाषाओं व धर्मों के साहित्य में भावनागत साम्य मिलता है। सभी क्षेत्रों में सत्य, अहिंसा, त्याग, परोपकार एवं न्याय आदि मानवीय भावनाओं के प्रति सम्मान की भावना है।

(ख) कोकिल के भीतर तोते का रहना इस मानसिकता की ओर संकेत करता है कि स्वतंत्र रूप से बोलने वाले व्यक्ति अपनी भाषा और भाव अपने मालिक के संकेत पर बदल रहे हैं।

वे वही दोहराते हैं जो उन्हें उनके आका कहते हैं। बाहर से कोकिल अर्थात् स्वतंत्र होने का ढ़ोंग करते हैं पर अंदर की मानसिकता सुख-भोग और पराधीनता की है।

(ग) पेड़-पौधे और पशु सभी अपना पृथक अस्तित्व समझते थे। वे सबके समग्र रूप वन से अनजान थे। अज्ञान के कारण अपनी-अपनी ढपली अपना-अपना राग अलापते थे। उन्हें यह ज्ञान ही नहीं था कि वे सब मिलकर वन हैं। वे सब वन के अंश हैं, इसे वे नहीं मानते थे, नहीं जानते थे।

(घ) देश में व्याप्त असंतुलन के बावजूद जिस प्रकार पुश्किन अपना देश किसी अन्य देश से बदलना नहीं चाहता उसी प्रकार अनेक समस्याओं, कठिनाइयों से जूझते हुए भी लेखक के मन में इसके प्रति गहरा प्रेम हैं। देश वर्तमान में ही नहीं होता। उसकी जड़ अतीत की गहराइयों तक फैली होती है। हर भारतीय की सच्ची पहचान उन लोगों से है जो अतीत में थे, जिनकी मिट्टी इस धरती में दबी है।

6. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित। 2+2+2=6

**अंक-विभाजन :**

(i) कथ्य 1½

(ii) भाषा-शुद्धता 0½

**कुल अंक :** 2

(क) राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन के व्यक्तित्व की विशेषताएं : भारतीय स्वतंत्रता सेनानी, हिंदी को राजभाषा के रूप में सम्मान दिलानेवाले, निष्कलंक छवि, कांग्रेस के समर्पित नेता, निर्भीक, सिद्धांतों के प्रति निष्ठा आदि।

(ख) मूंगा गूंगा बात-बात पर अपमानित होता था। मांगकर खाना उसे उचित नहीं लगता था। इंद्रिय सुख तक जीवन को सीमित नहीं रखना चाहिए। इंद्रिय सुख से ऊपर उठकर जीवन को उत्साहपूर्वक जीने में जीवन का वास्तवकि आनंद है।

(ग) वे सच्चे अर्थों में दिल से सेवा करने वाली समाज-सेवी थीं। वे तन और धन से नहीं, सच्चे दिल से, नि:स्वार्थ भावना से अकाल, बाढ, व प्लेग-पीड़ितों की सेविका थीं।

(घ) उन्होंने पिता के द्वारा लगान-वसूली और लेन-देन के कार्य का विरोध किया। वे घर छोड़कर बरेली चले गए। वे लेखक की माता के विरोध पर भी हर तरह की किताबें उन्हें पढ़ने को देते। घर में संपत्ति के बंटवारे पर भाइयों से खूब झगड़ा हुआ।

7. अरुमुगम जिस काम को भी हाथ में लेता था, उसे पूरा करता था, उसने अपने कच्चे घर को पक्के घर में बदला, भांजी की शादी करने का वचन पूरा किया तथा शत्रु के जेट को गिराए बिना उसने दम नहीं तोड़ा। (उत्तर 50-60 शब्दों में अपेक्षित) 4

**अथवा**

पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर के स्वाभिमानी चरित्र, अनुशासन-प्रियता, संगीत के प्रति लगाव और लालचहीन स्वभाव ने हमें प्रभावित किया। 4

8. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित।

**अंक-विभाजन : -**

(i) कथ्य - 2

(ii) प्रस्तुति-अभिव्यक्ति - 1

**कुल अंक :** 3 X 2 = 6

(क) पंचनदा बुंदेलखंड का एक विशेष स्थान है जहां यमुना, सिंधु, पाहुज और कुमारी-ये नदियां एक स्थान पर मिलती हैं। बालू; पानी और हरियाली का यह वैभव विचित्र मिश्रण की रचना करता है। इस संगम के करीब एक गढ़ी में राजा नायक सिंह दल के साथ आकर ठहरे थे।

(ख) सिंहगढ़ में कुंजर सिंह छोटी रानी से बातचीत के दौरान स्पष्ट कहता है कि उन्हें अलीमर्दान को सहायता के लिए नहीं बुलाना चाहिए था। रानी दलीप नगर की प्राप्ति के लिए अलीमर्दान का सहयोग आवश्यक मानती है और इस उद्देश्य से ही उसने मलीमर्दान को राखी भिजवाई थी। कुंजर सिंह जानता था कि अलीमर्दान की इस सहायता के पीछे दूसरा ही मंतव्य है, क्योंकि वह तो पालर की देवी को पाने और मंदिर को नष्ट करने आया है।

(ग) देवी सिंह ने दांगी वीरों के शवों को सिर नवाकर प्रणाम किया। सभी सैनिकों ने भी नत मस्तक होकर नमस्कार किया। देवी सिंह ने रूद्ध गले से कहा "अपनी बान पर अड़े थे; अपनी बान पर, निश्चय के साथ में। इन्हें मरने में जैसा सुख मिला होगा, हमें कदाचित जीवन में भी न मिलेगा। बहुत समारोह के साथ इनकी दाह-क्रिया की जानी चाहिए।" विराटा की जागीर के लिए उसने निर्णय लिया कि विराटा का गांव किसी अन्य को जागीर में नहीं दिया जाएगा। दाँगियों में जो बचेगा उसी के हाथ में यह गांव रहेगा।

9. किसी एक पात्र की चार चारित्रिक विशेषताएं अपेक्षित (उपन्यास की घटनाओं के आलोक में विशेषताओं का स्पष्टीकरण अपेक्षित)

**अंक-विभाजन :**

(i) कथ्य 3

(ii) भाषा-शुद्धता, अभिव्यक्ति 1

**कुल अंक :** 4

**लोचन सिंह :** वीरता एवं साहस की प्रतिमूर्ति, राजभक्त एवं वफादार, राजनीतिक चालों से अनभिज्ञ, सैन्य-संचालन में निपुण योद्धा, शीघ्र ही आवेश में आनेवाला, निर्भीक एवं स्वाभिमानी और अपनी आन पर मर मिटने वाला।

**अथवा**

**कुंजर सिंह :** उपन्यास का प्रमुख पुरुष पात्र, निस्वार्थ भाव से राजा के प्रति समर्पित, अपने अधिकारों के लिए लड़नेवाला, वीरता एवं साहस की प्रतिमूर्ति, कर्तव्यनिष्ठ एवं वीर योद्धा, तोप-संचालन में निपुण, आदर्श प्रेमी, वचन पर अडिग रहने वाला और धर्म -रक्षक आदि।

10. (i) शीत– गुणवाचक विशेषण, विशेष्य है 'ऋतु' (लिंग, वचन और कारक विशेष्य के अनुसार) 1

(ii) **हिमालय का :** व्यक्तिवाचक संज्ञा, पु., एकवचन, संबंधकारक, संबंधी शब्द 'क्षेत्र' 1

(iii) **हो जाता है :** अकर्मक क्रिया, पु., एकवचन, निश्चयार्थ, वर्तमान, कर्तृवाच्य, कर्तरि प्रयोग। 1

11. (क) अध्यापकों द्वारा विद्यालय में शिक्षा दी जाती है। 1

(ख) बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए सरकार ने करोड़ों रूपए खर्च किए। 1

(ग) मुझसे इस गर्मी में सोया नहीं जा सकता। 1

12. (क) हाथ ही हाथ में - अव्ययीभाव समास 1

गज के समान आनन है जिसका (गणेश)- बहुब्रीहि समास 1

(ख) गंगा-यमुना : द्वंद्व समास 1

हस्तलिखित-तत्पुरुष समास 1

13. (क) कृपया दो दिन का अवकाश प्रदान करें। 1

(ख) शेर को सामने देखकर तो मेरे प्राण ही सूख गए। 1

(ग) मुझे मात्र पांच रुपए चाहिए। 1

14. (क) प्रश्नवाचक वाक्य ½

(ख) इच्छावाचक वाक्य ½

(ग) विधानवाचक वाक्य ½

(घ) संकेतवाचक वाक्य ½

15. (क) लालाजी ने थैला उठाया और दुकान की ओर चले गए। 1

(ख) जब वर्षा होती है, मोर नाचने लगते हैं। 1

16. (क) (i) कर्ता– चाणक्य ने 1

| | | |
|---|---|---|
| कर्ता– | चाणक्य ने | 1 |
| कर्ता विस्तार– | तेजस्वी | |
| कर्म– | चंद्रगुप्त को | |
| कर्म विस्तार– | वीर | |
| क्रिया पद– | बना दिया | |
| पूरक– | मगध का सम्राट | |

(ii)

| | | |
|---|---|---|
| कर्ता– | हनुमान ने | 1 |
| कर्ता विस्तार– | पवन पुत्र | |
| कर्म– | लंका | |
| कर्म का विस्तार– | सोने की | |
| क्रिया पद– | जला दी | |
| क्रिया विशेषण– | देखते ही देखते | |

(ख) (i) होरी एक गरीब और परिश्रमी किसान था। 1

(ii) मेरी बहन शीला के कल बंबई से आने पर हम दो दिन तक मौज-मस्ती करेंगे। 1

17. (क) (i) डूबते को तिनके का सहारा 2

(ii) धोबी का कुत्ता, घर का न घाट का 2

**कुल अंक :** 4

(ख) उपयुक्त प्रयोग पर पूरे अंक दें। 1+1=2

18. (क) (i) गृहस्थ सन्यासी और सन्यासी गृहस्थ से आशय है-गृहस्थ में रहकर सन्यासी जैसा सादा जीवन जीना। दोनों में संतुलन बनाना ही सन्यासी गृहस्थ जीवन है। 1

(ii) क्योंकि उसमें संचय की वृत्ति नहीं होती। वह लोभ और स्वार्थ से परे रहता है तथा समाज-सेवा का कार्य करता है। 1

(iii) ज्ञान और कर्म में भिन्नता करने से या दोनों में समन्वय न होने से समाज में, विषमता उत्पन्न होती है। 1

(iv) जिसके सदस्य ज्ञान और कर्म को बराबर महत्व देते हैं, वे जी खोलकर परिश्रम करते हैं और जरूरत से अधिक धन पर अधिकार नहीं जमाते। 1

(v) समता, प्रत्यय-'ता' 1

(ख) (i) रिक्शाचालक प्रतिदिन घंटों तक रबड़-विहीन सख्त पैडलों को पैरों से जोर लगाकर चलाता था। 1

(ii) रिक्शाचालक के पैरों की तुलना वामन अवतार धारण करने वाले भगवान विष्णु के तीन लोक नापनेवाले पैरों से की गई है। 1

(iii) कवि ने अपने मन और दृष्टि के लिए फूल और दूध उपमानों का प्रयोग किया, क्योंकि मन फूल-सा कोमल और भावुक है, दृष्टि दूध-सी धवल एवं संवेदना से युक्त है, जिससे वे खुरदरे पैरों की चुभन महसूस कर सकते हैं। 1

(iv) रिक्शाचालक घंटों के हिसाब से रिक्शें के मालिक को किराया देते हैं। अपनी मेहनत की कमाई का बड़ा हिस्सा किराए के रूप में देते हैं। 1

(v) रिक्शाचालक के जीवन-संघर्ष को कवि ने हृदय की गहराई से महसूस किया है; इसलिए यह गहरी संवेदना रिक्शाचालक के बिवाई-पड़े पैरों की स्मृति बनाए रखेगी। 1

19. **पत्र-लेखन - औपचारिकताएं** 2

- विषय-सामग्री/ प्रतिपादन और अभिव्यक्ति 3

**कुल अंक :** 5

20. **निबंध-लेखन - प्रस्तावना** 1

- विषय-सामग्री और प्रस्तुति 6
- उपसंहार 1
- भाषा-शुद्धता/ अभिव्यक्ति 2

**कुल अंक :** 10